सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 281 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 21 नवम्बर, 2026
मूल्य ₹ 3/-





शिक्षा सबसे शशक्त हथियार है जिससे दुनिया को बदला जा सकता है।
-नेल्सन मंडेला

राहुल सेना देशों में शतक लगाने वाले पहले... 7 | चुनाव आयोग व मुख्य चुनाव... 3 | सीसीटीवी ने खोली सीएम की... 2

राजस्थान में कांग्रेस की वापसी भाजपा के सियासी किले में दरार

यह राजस्थान नहीं पूरे देश की आवाज : राहुल

» यूपी में योगी ने नहीं होने दिये पंचायत चुनाव क्या हार का अभास हो गया था

» बीजेपी सरकार के महंगाई बेरोजगारी और पलायन के खिलाफ गांव का विद्रोह

» विकास की सरकारी विज्ञप्तियां ग्रामीण मतदाताओं के अनुभवों से मेल नहीं खा पाई

» कांग्रेस ने 3,758 पंचायत समिति सीटें और 794 जिला परिषद सीटें हासिल कीं जबकि भाजपा के खाते में क्र मश: 2,213 और 357 सीटें आईं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजनीति में सबसे खतरनाक क्षण वह नहीं होता जब विपक्ष सत्ता को चुनौती देता है बल्कि वह होता है जब सत्ता को अपने ही गढ़ में जनता की नाराजगी का सामना करना पड़ता है। राजस्थान में पंचायत चुनावों के नतीजे भाजपा के लिए कुछ ऐसा ही संदेश लेकर आए हैं। जयपुर के सत्ता प्रतिष्ठान से लेकर दिल्ली के राजनीतिक गलियारों तक इन नतीजों की गूंज सुनाई दे रही है।

सवाल सिर्फ सीटों का नहीं है सवाल उस राजनीतिक आत्मविश्वास का है जिसके सहारे भाजपा ने राजस्थान में सरकार बनाई थी। जरा तस्वीर देखिए विधानसभा में बहुमत, लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा संगठन की पूरी मशीनरी और ऊपर से डबल इंजन सरकार का दावा। फिर ऐसा क्या हुआ कि गांवों की चौपाल पर पहुंचते-पहुंचते इस इंजन की रफ्तार कम पड़ गई। क्या विकास की सरकारी विज्ञप्तियां ग्रामीण मतदाताओं के अनुभवों से मेल नहीं खा पायी। क्या योजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के बीच आम आदमी की रोजमर्रा की समस्याएं कहीं पीछे छूट गयी। या फिर भाजपा का संगठन सत्ता में आने के बाद जनता से संवाद बनाए रखने में चूक गया। कांग्रेस के लिए यह परिणाम सिर्फ जीत का उत्सव नहीं राजनीतिक पुनर्जीवन की संभावना भी है। जिस पार्टी को राजस्थान में सत्ता गंवाने के बाद नेतृत्व की खींचतान और संगठनात्मक कमजोरी से जूझना पड़ रहा था उसे ग्रामीण मतदाताओं ने एक बड़ा अवसर दिया है। गहलोत, पायलट और डोटासरा के राजनीतिक समीकरणों के बीच कांग्रेस को यह समझना होगा कि जनता ने उसे स्थायी सत्ता का पट्टा नहीं दिया है बल्कि अपनी नाराजगी व्यक्त करने का एक मंच दिया है।

संबंधित खबरें पेज 7 पर



राजस्थान के मतदाताओं को बहुत धन्यवाद : राहुल

राहुल गांधी ने पंचायत चुनावों में पार्टी का समर्थन करने के लिए ग्रामीण राजस्थान के मतदाताओं को धन्यवाद दिया है। उन्होंने इस जनादेश को कांग्रेस के लिए एक जिम्मेदारी और राज्य की भाजपा सरकार के लिए एक कड़ा संदेश बताया है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनाव नतीजों पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के एक पोस्ट को रीट्वीट करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि ग्रामीण राजस्थान के भाइयों-बहनों को तहे दिल से धन्यवाद। पंचायत चुनावों में आपने कांग्रेस पर जो भरोसा जताया है अब वह हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह नतीजे उस राज्य से आए हैं जहां भाजपा की सरकार है राहुल गांधी ने कहा कि इन नतीजों ने पार्टी की डबल इंजन सरकार को एक सीधा संदेश दिया है। राहुल गांधी ने ग्रामीण रोजगार, किसानों और स्थानीय स्वशासन से जुड़ी नीतियों को लेकर भाजपा की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) पर प्रहार किया है। किसानों को आर्थिक नुकसान में धकेला है और पंचायती राज संस्थाओं की शक्तियां छीनकर उन्हें कमजोर कर दिया है।

कांग्रेस
3,758 पंचायत समिति सीटें
794 जिला परिषद सीटें

भाजपा
2,213 पंचायत समिति सीटें
357 जिला परिषद सीटें

बड़े और भारी मार्जिन से जीती कांग्रेस

राजस्थान के पंचायत राज चुनावों में कांग्रेस ने भाजपा के मुकाबले बड़ी जीत हासिल की है। अभी तक के प्राप्त परिणामों के अनुसार, 37 जिलों के घोषित नतीजों में कांग्रेस ने पंचायत समिति और जिला परिषद दोनों स्तरों पर भाजपा को पीछे छोड़ा। अलग-अलग समय पर अपडेट हुए आंकड़ों में सीटों की संख्या में अंतर है लेकिन रुझान एक ही दिशा में है। कांग्रेस ने 3,758 पंचायत समिति सीटें और 794 जिला परिषद सीटें हासिल कीं जबकि भाजपा के खाते में क्रमशः 2,213 और 357 सीटें आईं। चार जिलों में मतगणना दिसंबर में होनी है। इसलिए इन आंकड़ों को घोषित परिणामों के संदर्भ में ही देखा जाना चाहिए। यह महज स्थानीय प्रतिनिधियों के चुनाव का परिणाम नहीं है। राजस्थान में पंचायत चुनाव ग्रामीण राजनीतिक मनोदशा को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। गांवों में पानी, सड़क, बिजली, कृषि, रोजगार, स्थानीय प्रशासन और सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन सीधे मतदाता के अनुभव से जुड़ा होता है। ऐसे में सत्ताधारी दल के खिलाफ इतना बड़ा अंतर कई सवाल पैदा करता है।

क्या भजनलाल शर्मा को निपटाने की स्क्रिप्ट लिखी जा चुकी है?



राजस्थान की इस हार के बाद सबसे ज्यादा चर्चा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के राजनीतिक भविष्य को लेकर हो रही है। भाजपा ने 2023 में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए भजनलाल शर्मा को चुना था। वह पहली बार विधायक बने थे। यह फैसला पार्टी की उस रणनीति का हिस्सा था जिसमें पुराने क्षेत्रीय नेतृत्व के बजाय केंद्रीय नेतृत्व और संगठन को अधिक निर्णायक भूमिका दी गई। वसुंधरा राजे दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी थीं। राज्य में उनका अपना राजनीतिक प्रभाव और समर्थकों का मजबूत आधार रहा है। लेकिन मुख्यमंत्री चयन के समय भाजपा ने एक अलग रास्ता चुना। अब सवाल है कि क्या पंचायत चुनावों के नतीजे उस प्रयोग की सीमाएं उजागर कर रहे हैं।

गावों के पलायन से शुरू हो गया बीजेपी का राजनीतिक पलायन

राहुल गांधी ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और मजबूरी में किए गए पलायन ने गांवों को वीरान कर दिया है और ग्रामीण लोग इन सब चीजों को देख रहे थे और इनके परिणाम भुगत रहे थे। राहुल गांधी ने कहा कि गांव सब कुछ देख रहे थे और सब कुछ सह रहे थे। अब उन्होंने अपनी आवाज उठाई है और इस आवाज की खनक है? कि बीजेपी का राजनीति से पलायन शुरू हो गया है। उन्होंने चुनावी नतीजों को राज्य से परे एक महत्वपूर्ण घटना बताते हुए कहा कि यह जनादेश पूरे देश के ग्रामीण समुदायों की चिंताओं और आकांक्षाओं को दर्शाता है।

सीसीटीवी ने खोली सीएम की झूठ: अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले- गोरखपुर हादसे को स्वतः संज्ञान ले कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जब 18 नवंबर को गोरखपुर में हादसे में मारे गए एक बच्चे के संबंध में मुख्यमंत्री द्वारा फैलाए गए झूठ का भंडाफोड़ सीसीटीवी के वीडियो से हो गया है तो अब वे बौखला गए हैं। पूरी दुनिया में बदनाम होने की हताशा से हमारे पीडीए कार्यकर्ताओं के घर-परिवार को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने न्यायालय से स्वतः संज्ञान लेकर मामले की जांच की मांग की।

अखिलेश ने यादव ने कहा कि हम अपने साहसी कार्यकर्ताओं से कहेंगे कि वे इस जुल्म से डरें नहीं, क्योंकि अब बस दो-तीन महीनों के मेहमान मुख्यमंत्री की शक्ति बची ही कितने दिनों की है। वे हमेशा के लिए हटनेवाले हैं। इसीलिए हताशा में ऐसे उत्पीड़न पर उतारू हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा कि दरअसल इतनी कमजोर स्थिति तो आज तक किसी मुख्यमंत्री की नहीं हुई है कि दिल्ली वाले इनको अपने दरबार में बुलवाकर हाजिरी लगवा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उन्हीं के दल के प्रदेश अध्यक्ष अलग दल बनाने की साजिश करने पर उन्हें धमका रहे हैं। प्रदेश संगठन उनकी बनाई प्रत्याशियों की लिस्ट को फर्जी बताने के लिए नकार-पत्र पर जबरदस्ती हस्ताक्षर करवा रहा है। उनके साथ उनके अपने ही दल के 10 विधायक भी नहीं हैं। इनकी अपनी ही सरकार के उप मुख्यमंत्री इनकी बात को काटते हुए कह रहे हैं कि कोई वोट नहीं कटा है। यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी तक इनकी बात को ये कहकर नकार रहे हैं कि हम तो धर्म पर आधारित कोई आंकड़ा देते ही नहीं हैं।



सीएम योगी के खिलाफ पूरे प्रदेश की महिलाएं

उन्होंने कहा कि लखनऊ के अग्निकांड में युवा मृतक की मां के साथ किए गए इनके दुर्व्यवहार की वजह से अब पूरे प्रदेश की महिलाएं इनके खिलाफ हो गई हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने सरेआम हत्या करने वाले जेल में बंद अपराधी को अच्छे आचरण के नाम पर बाहर निकाला है। जिसने सरेआम कानून-व्यवस्था की गोलियों से धज्जियां उड़ाई हों, उसका आचरण अच्छा कैसे हो सकता है। उन्होंने भाजपा राज में पीडीए पर बड़े पैमाने पर अत्याचार के आरोप लगाए।

सपा अध्यक्ष ने गिरफ्तारी की निंदा की

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यह दुखद और निंदनीय है गोरखपुर हादसे मामले में पीडीए समाज के शिवांग निषाद, नरसिंह यादव, राहुल यादव, वीरेंद्र यादव को झूठे आरोपों में जेल भेजे जाने का समाचार मिला है। इस मामले में वीडियो साक्ष्य उपलब्ध हैं, फिर भी ये अन्याय-अत्याचार किया जा रहा है, जोकि घोर निंदनीय है। उन्होंने अपील की कि न्यायालय स्वतः संज्ञान लेते हुए इस मामले में जांच करे।

सपा और कांग्रेस मिलकर करेंगे उम्मीदवारों की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर इंडिया गठबंधन ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। गठबंधन के प्रमुख घटक दल समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस ने सभी 403 विधानसभा सीटों पर मजबूत प्रत्याशियों के चयन के लिए संयुक्त रणनीति बनाई है। इसके तहत दोनों दलों की ओर से कुल 806 दावेदारों की गहन स्क्रूटनी की जाएगी। इस प्रक्रिया के बाद ही उम्मीदवारों के नामों पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

अब तक आ चुके हैं कई दावेदार

योजना के मुताबिक, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से सपा और कांग्रेस के एक-एक प्रमुख दावेदार का नाम संयुक्त सूची में शामिल किया जाएगा। इस तरह प्रदेश की सभी 403 सीटों के लिए 806 संभावित प्रत्याशियों का पैनल तैयार होगा। सूची में जगह मिलने का मतलब टिकट की गारंटी नहीं होगा। सभी दावेदारों को निर्धारित मानकों पर परखा जाएगा।

प्रत्याशियों के चयन के लिए सपा और कांग्रेस की संयुक्त कमेटी गठित की जाएगी। यह कमेटी प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के जातीय समीकरण, स्थानीय मुद्दों और दावेदारों के व्यक्तिगत जनाधार का बारीकी से आकलन करेगी। इसका उद्देश्य ऐसे प्रत्याशी का चयन करना है, जिसकी संबंधित सीट पर जीतने की संभावना सबसे अधिक हो। संयुक्त कमेटी सभी 806 दावेदारों की जमीनी स्थिति की पड़ताल कर अपनी रिपोर्ट गठबंधन के शीर्ष नेतृत्व को सौंपेगी। सूत्रों के अनुसार, स्क्रूटनी के बाद सामने आए नामों पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव आपसी सहमति से अंतिम निर्णय लेंगे। गठबंधन के नेताओं का मानना है कि समय रहते शुरू की गई इस संयुक्त कवायद से चुनावी तैयारियों के साथ सीटों के बंटवारे की प्रक्रिया को भी लाभ मिलेगा।

दीपोत्सव के बाद भी यूपी में अंधेरा: आकाश

बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक बोले- भाजपा सरकार में बेरोजगारी चरम पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने अयोध्या के बीकापुर में आयोजित चुनावी रैली में भारतीय जनता पार्टी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने अपनी कमियों को छिपाने के लिए विज्ञापनों पर लगभग 7,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। आनंद ने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधते हुए मतदाताओं से बसपा को समर्थन देने की अपील की।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने विकास के दावों को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधते हुए शुक्रवार को कहा कि रिकॉर्ड स्तर पर दीपोत्सव आयोजित किए जाने के बावजूद उत्तर प्रदेश का अधिकांश हिस्सा अब भी अंधेरे में है और राज्य की बड़ी आबादी बेरोजगार है। अयोध्या जिले के बीकापुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आनंद ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'सबका साथ-सबका विकास' नारे पर तंज कसते हुए कहा कि दूसरी पार्टियां सिर्फ नारे लगाती हैं, जबकि बसपा ने इसे सच कर दिखाया है। आनंद ने कहा,'लोग कहते हैं कि आजकल आकाश को बहुत गुस्सा आता है और वह गुस्से में भाषण देते हैं। तो मैं अभी साफ कर दूं, आज मैं गुस्से में कुछ नहीं कहूंगा। अगर आपको गुस्सा आए, तो अपना हिसाब बराबर करने के लिए 'हाथी' के निशान



वाला बटन दबाइए और यह सुनिश्चित कीजिए कि 'बहनजी' पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनें।' बसपा प्रमुख मायावती के भतीजे ने कहा कि उन्हें बहुजन आंदोलन से जुड़ने की प्रेरणा मायावती से ही मिली और वह वंचित वर्गों के उत्थान के मिशन को अपनी 'आखिरी सांस' तक पूरा करने का प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा, 'मैं खुद उनके नेतृत्व से प्रेरित होकर इस आंदोलन से जुड़ा हूं और मैं आपके सामने यह संकल्प लेता हूं कि अपनी आखिरी सांस तक इस मिशन की जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए प्रयास करता रहूंगा।' भाजपा पर अपना हमला तेज करते हुए आकाश आनंद ने कहा, 'हम किसी सरकार से चांद-तारे नहीं मांग रहे हैं, हम बस तीन चीजें मांग रहे हैं-अच्छी शिक्षा, सभी के लिए सुरक्षा और हर हाथ को काम। आनंद ने सरकार के विज्ञापनों और जमीनी हकीकत की तुलना करते हुए कहा, 'मैं जहां भी जाता हूं, लोगों से पूछता हूं कि इन 10 सालों में आपको भाजपा से क्या मिला? जवाब हमेशा एक ही मिलता है- हमें किसी असल काम के बारे में तो नहीं पता, लेकिन हमने विज्ञापनों की भरमार जरूर देखी है। उन्होंने कहा, हम गांवों, कस्बों और शहरों में रहते हैं। पिछले 10 सालों में भाजपा सरकार ने विज्ञापनों पर लगभग 7,000 करोड़ रुपये सिर्फ यह बताने के लिए खर्च किए कि 'सब ठीक है', ताकि वे अपनी कमियों को छिपा सकें।

अयोध्या में दीपोत्सव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हर साल यहां जलाए जाने वाले दीयों की संख्या का एक नया रिकॉर्ड बनता है। उन्होंने कहा कि दीये तो जरूर जलाए जाने चाहिए, लेकिन यह जरूर पूछा जाना चाहिए कि यह रोशनी असल में कितने घरों तक पहुंचती है? उन्होंने कहा कि हर साल जहां दीयों की संख्या का रिकॉर्ड टूटता है, वहीं बेरोजगारी का रिकॉर्ड भी साल-दर-साल टूटता जा रहा है। उन्होंने समाजवादी पार्टी की तुलना 'गिरगिट' से करते हुए कहा, ''मैं अखिलेश यादव का बहुत सम्मान करता हूं, लेकिन सच कहूं तो मैं कभी समझ नहीं पाया कि वह वास्तव में करना क्या चाहते हैं।'' आनंद ने आगरा में सपा के हालिया दलित महासम्मेलन पर भी निशाना साधा।

गठबंधन के साथ चुनाव लड़कर सरकार बनाएंगे: आराधना मिश्रा

» कांग्रेस अध्यक्ष बोलीं- सीट बंटवारे पर सकारात्मक बातचीत चल रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना का शुक्रवार को लखनऊ से शाहजहांपुर जाते समय सीतापुर बाईपास पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार मंडलीय दौरे कर रही है। झांसी मंडल के बाद शुक्रवार को शाहजहांपुर और शनिवार को आगरा मंडल का दौरा प्रस्तावित है।

उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के साथ इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के बीच सामंजस्य बनाया जा रहा है, ताकि 2027 के विधानसभा चुनाव में मजबूत विकल्प के रूप में उतरा जा सके। सीटों के बंटवारे पर कहा कि गठबंधन में सकारात्मक बातचीत चल रही है। नेतृत्व स्तर पर चर्चा जारी है। जल्द ही स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। कांग्रेस पार्टी अपनी चुनावी तैयारियों में पूरी तरह जुटी है। उन्होंने दावा किया कि इंडिया गठबंधन 2027 में केवल चुनाव नहीं लड़ेगा, बल्कि सरकार भी बनाएगा।



धर्म और राजनीति को अलग-अलग विषय

बागेश्वर धाम की कथा और धर्म-राजनीति से जुड़े सवाल पर आराधना मिश्रा ने कहा कि भाजपा ने हमेशा धर्म और जाति के नाम पर राजनीति की है। कांग्रेस की विचारधारा धर्म, जाति और बिरादरी के आधार पर नहीं, बल्कि सभी को साथ लेकर चलने की है। हम धर्म और राजनीति को अलग-अलग विषय मानते हैं। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. ममता वर्मा, नगर अध्यक्ष शिशिर बाजपेयी, मेराज अहमद, राकेश वर्मा समेत अन्य तमाम लोग मौजूद रहे।



छिनैती, लूट-खसोट है सपा का मैनिफेस्टो: ओपी राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी 26 नवंबर संविधान दिवस पर अपना घोषणा पत्र जारी करेगी, जिसे लेकर योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने सपा अध्यक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि अब आप मैनिफेस्टो के बहाने फालतू में टाइम बर्बाद करेंगे, जबकि न आपकी सरकार बनेगी ना आप मैनिफेस्टो पूरा करेंगे।

कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सपा के मैनिफेस्टो को मनि फेस्टो बताया और कहा कि अखिलेश यादव को इसके लिए टाइम बर्बाद करने की ज़रूरत नहीं है। उनके मैनिफेस्टों में बस गुंडागर्दी, महिलाओं से छेड़छाड़ की खुली छूट, ग़रीब-दलितों पर अत्याचार और वसूली ही शामिल होगी। सपा अध्यक्ष को पता है कि उनकी सरकार नहीं बनेगी। इसलिए बस बैठकर लंबी-लंबी ढींगे ही हांकते रहेंगे।

यूपी के मंत्री ने सपा के घोषणा पत्र पर कसा तंज



सुभासपा चीफ ओपी राजभर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर लिखा- मित्र अखिलेश यादव जी! सुना है आप चुनावी मनी फेस्टो जारी करने वाले हैं? अच्छी बात है...लोफरों के साथ खाली बैठकर टाइमपास करने से बेहतर है कि अपने वसूली, रंगदारी, उगाही, छिनैती और लूट-खसोट वाले सैफई सिंडिकेट का पूरा मनि फेस्टो ही तैयार कर लीजिए। उन्होंने कहा-वैसे 2012 में भी तो घोषणा किये थे आप। लैपटॉप बांटने का! क्या हुआ उसका...? बस एक साल बांटकर, लूट-खसोट का लंबा जुगाड़ करके बंद कर दिये न! मनी फेस्टो को लेकर फालतू डींग हांकने में टाइम बर्बाद करेंगे आप! उससे अच्छा है हम पहले ही बता देते हैं कि आपके इस मनी फेस्टो का मूलतत्व क्या रहेगा।

चुनाव आयोग व मुख्य चुनाव आयुक्त पर सियासी रार

नेता प्रतिपक्ष राहुल व कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने संभाला मोर्चा

- जारी है कांग्रेस का प्रहार
- बोले जयराम रमेश- भाजपा को चुनावी लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रही मशीनरी
- मतदाता सूचियों की निष्पक्ष जांच कराने और आंकड़े सार्वजनिक करे सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस का चुनाव आयोग व मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर हमला जारी है। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नेता प्रतिपक्ष समेत सभी नेता भाजपा व चुनाव आयोग पर हमला करने का कोई भी मौका नही छोड़ रहे हैं। कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग पर भाजपा को चुनावी लाभ पहुंचाने के लिए मतदाता सूची में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पुनरीक्षण प्रक्रिया को फर्जी बताते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। साथ ही, उन्होंने मतदाता सूचियों की निष्पक्ष जांच कराने और आंकड़े सार्वजनिक करने पर जोर दिया।

कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को ''फायदा पहुंचाने'' के लिए रची गई कथित सुनियोजित साजिश का ठीकरा सॉफ्टवेयर पर डालने की कोशिश कर रहा है, जो स्वीकार्य नहीं है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को 'फर्जी' बताते हुए इसे तुरंत रोकने, मतदाता सूचियों की निष्पक्ष जांच कराने, मशीन से पढ़े जा सकने वाले आंकड़े सार्वजनिक करने और प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी की।



उप्र विधान परिषद चुनाव की मतदाता सूची में गड़बड़ियों पर सवाल

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव की मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों का हवाला देते हुए कहा, ''मतदाता का नाम–'राम ने यादव को मारा' और पिता का नाम–'मूर्ख चंद्र यादव'। किसी मतदाता के पिता का नाम 'बी. कॉम', तो किसी का नाम 'राम ने शर्मा का नाम'ज्ये प्रविष्टियां शुक्रवार को हुए उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव की मतदाता सूची में हैं।'' उन्होंने सवाल किया, ''जब उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव में ये 'गलतियां' सामने आई हैं, तो यह कैसे कहा जा सकता है कि ऐसा दूसरे चुनावों में नहीं हुआ?''

मोदी ज्ञानेश कुमार को हटा दें, और 30 सेकंड में विरोध-प्रदर्शन खत्म हो जाएंगे : राहुल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 26 अक्टूबर को दिल्ली के कारोबारी समुदाय से अपील की। उन्होंने राजधानी में लगाए गए प्रशासनिक लॉकडाउन और यातायात में आ रही रुकावटों के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाए जाने की विपक्ष की मांग को फिर से दोहराया। एक्स पर एक पोस्ट में, गांधी ने 1 नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाले विरोध प्रदर्शन का एक पोस्टर साझा किया। उन्होंने सुरक्षा बैरिकेड्स और सार्वजनिक परिवहन पर लगी पाबंदियों को लेकर कारोबारी संगठनों की चिंताओं पर बात की, इन पाबंदियों की वजह से चल रहे राजनीतिक प्रदर्शनों के दौरान स्थानीय बाजारों पर असर पड़ रहा है। दिल्ली में खुदरा और थोक व्यापारियों को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा, दिल्ली के हर व्यापारी से- हम आपसे प्यार करते हैं और आपकी बात सुनते हैं। सरकार ने मेट्रो बंद कर दी, सड़कें सील कर दीं और हमारी राजधानी में लॉकडाउन लगा दिया। जनादेश की चोरी के बाद कुछ भी सुरक्षित नहीं है न आपकी दुकान, न आपकी बचत, और न ही आपके बच्चों का भविष्य। मोदी से कहिए कि वे



आरोपी नंबर 4, ज्ञानेश कुमार को हटा दें, और 30 सेकंड में विरोध-प्रदर्शन खत्म हो जाएंगे। गांधी का यह बयान चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री द्वारा विपक्षी नेताओं को दिए गए एक आग्रह के बाद आया है, जिसमें 1 नवंबर को रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की प्रस्तावित रैली को टालने की मांग की गई थी। व्यापारिक संगठनों ने चेतावनी दी है कि धनतेरस, दिवाली और भाई दूज के त्योहारों के दौरान, जब खरीदारी जोरों पर होती है, तब मध्य दिल्ली में सड़कों का डायवर्जन, बैरिकेडिंग और मेट्रो स्टेशनों को बंद करने से चांदनी चौक, सदर बाजार और करोल बाग जैसे प्रमुख बाजारों में हजारों करोड़ रुपये के कारोबार पर बुरा असर पड़ सकता है।

भारत के लोकतंत्र और मतदाता सूची की शुद्धता को सॉफ्टवेयर और ईसीआईनेट के भरोसे छोड़ा

रमेश ने कहा, ''क्या भारत के लोकतंत्र और मतदाता सूची की शुद्धता को सॉफ्टवेयर और ईसीआईनेट के भरोसे छोड़ दिया गया है? जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की है, सॉफ्टवेयर की नहीं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन अधिकारी का बयान दो चुनाव आयुक्तों द्वारा उठाए गए प्रश्नों तथा विपक्ष के इस विश्वास को और मजबूत करता है कि निर्वाचन आयोग को संविधान के प्रावधानों के विपरीत असंवैधानिक तरीके से चलाया जा रहा है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि मतदाता सूचियों को हर तरह की गड़बड़ी से मुक्त रखना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है, ताकि किसी भी मतदाता को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने में परेशानी न हो।

ईपीआईसी संख्या खोजने पर गलत विवरण सामने आए

रमेश ने यह भी आरोप लगाया कि एसआईआर के बाद जारी मतदाता सूची से नाम गायब होने और ऑनलाइन मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) संख्या खोजने पर गलत विवरण सामने आने की शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने अब तक कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मांग के अनुरूप मशीन से पढ़े जा सकने वाले आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं। उन्होंने कहा कि पूरा आंकड़ा सार्वजनिक होने पर मतदाता सूची में गड़बड़ियों के दायरे और जवाबदेही से जुड़े सवालों की अधिक स्पष्टता से जांच हो सकेगी। रमेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में कुछ ही महीने शेष हैं और सामने आ रहे ये मामले मतदाताओं के अधिकारों तथा चुनावी पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

असल सवालों का जवाब देने के बजाय राहुल पर व्यक्तिगत हमले कर रहे हैं पीएम

देश के लोगों के मन में पहले हुए लोकसभा और हरियाणा, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों में चुनाव चोरी होने का शक अब विश्वास में बदलता जा रहा है। हमारा स्पष्ट मानना है कि भाजपा ने निर्वाचन आयोग से मिलीभगत करके चुनाव चोरी करके जीते हैं। रमेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर राहुल गांधी के सवालों से बौखलाए प्रधानमंत्री और भाजपा जनता के असल सवालों का जवाब देने के बजाय लगातार राहुल गांधी पर व्यक्तिगत हमले कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''भाजपा यह जान ले कि देश पिछले बारह वर्षों में उसके ओछे हथकंडों को पहचान चुका है। अब यह काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ेगी।''

मतदाताओं को व्यवस्थित रूप से रोक रहे ज्ञानेश : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को भाजपा पर अपना हमला और तेज कर दिया। एक्स पर अपनी अपील पोस्ट करते हुए, खरगे ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि वह मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए किसी भी हद तक जा रही है, जबकि उन पर मतदाताओं को व्यवस्थित रूप से रोकने और डिजिटल गड़बड़ियां करने के गंभीर आरोप लग रहे हैं। हाल ही में सामने आए खुलासों और सूचना के अधिकार आवेदनों पर मिले जवाबों का हवाला देते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार और भारत निर्वाचन आयोग दोनों पर कड़े आरोप लगाए। खरगे ने कहा कि वोट चोरी के अनगिनत खुलासों के बाद भी, मोदी सरकार ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए हर संभव हथकंडा अपना रही है! उन्होंने आगे कहा कि जब आरटीआई के जरिए एसआईआर में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी मांगी गई, तो चुनाव आयोग ने व्यापारिक गोपनीयता (ट्रेड सीक्रेट्स) का हवाला देकर जवाब देने से इनकार कर दिया। उत्तर प्रदेश में, फॉर्म-6 के 16.18 लाख आवेदनों का विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है। पीलीभीत में, 10,470 मतदाताओं के रिकॉर्ड में गड़बड़ियां पाई गईं। अब, उन्हें पूरे राज्य में फॉर्म 6, 7 और 8 की जांच का आदेश देने के लिए मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने लिखा कि बीजेपी और चुनाव आयोग की मिलीभगत के खिलाफ इंडिया गठबंधन की तीन मुख्य मांगें स्पष्ट हैं 1. मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें और उन्हें सुरक्षा देने वाला 2023 का कानून रद्द किया जाए। 2. एसआईआर को तुरंत रोका जाए। मतदाता सूची से अवैध रूप से हटाए गए लोगों के नाम वापस जोड़े जाएं। 3. सभी चुनाव पेपर बैलेट से कराए जाएं। कांग्रेस अध्यक्ष ने 1 नवंबर के प्रदर्शन को केवल चुनावी विवाद नहीं, बल्कि संविधान को बचाने की एक बड़ी लड़ाई बताते हुए लोगों से इसमें बढ़-चढ़कर शामिल होने की अपील की। खड़गे ने कहा कि यह सिर्फ वोट बचाने की लड़ाई नहीं है, बल्कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए जनता का संघर्ष है। मैं देश के हर जागरूक नागरिक से अपील करता हूं - 1 नवंबर को दिल्ली आएं! रामलीला मैदान में वोट बचाओ-देश बचाओ जन मार्च और विशाल रैली में शामिल हों। जय हिंद! जय संविधान!





Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

जिद... सच की

विश्व बाल दिवस मनाने से नहीं सुधेरगा बचपन

शुक्रवार को दुनिया में 'विश्व बाल दिवस मनाया गया जबकि भारत में 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है। इस देश के पहले पीएम जवाहर लाल नेहरूका जन्मदिन भी होता है। बाल दिवस का मतलब बच्चों को दिन से हैं। इसम बच्चों के अधिकारों की चर्चा भी होती है। हालांकि बच्चों की आज भी भारत में वैसी पोषण नहीं है जैसी व्यवस्था विश्व के नेताओंने की थी। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 20 नवम्बर 1954 को 'विश्व बाल दिवस' मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसका उद्देश्य यही था कि इस विशेष दिन के माध्यम से अलग-अलग देशों के बच्चे एक-दूसरे के साथ जुड़ सकें, जिससे उनके बीच आपसी समझ तथा एकता की भावना मजबूत हो सके। सर्वप्रथम बाल दिवस जेनेवा के इंटरनेशनल यूनियन फॉर चाइल्ड वेलफेयर के सहयोग से विश्वभर में अक्तूबर 1953 में मनाया गया था। विश्वभर में बाल दिवस मनाए जाने का विचार वी के कृष्ण मेनन का था, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1954 में अपनाया गया था।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्वभर के तमाम देशों से अपील की गई थी कि वे अपनी परम्पराओं, संस्कृति तथा धर्म के अनुसार अपने लिए कोई एक ऐसा दिन सुनिश्चित करें, जो सिर्फ बच्चों को ही समर्पित हो। वैसे तो बाल दिवस मनाए जाने की शुरूआत वर्ष 1925 से ही हो गई थी लेकिन वैश्विक रूप में देखें तो इसे दुनियाभर में मान्यता मिली 1953 में। बहरहाल, विश्व बाल दिवस पर हमें यह समझने का अवसर प्रदान करता है कि बच्चों का भविष्य उनके आज पर निर्भर करता है, जिसके लिए हमें ही यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, बाल श्रम और शोषण के खिलाफ कडी कार्रवाई हो, बच्चों को उनकी प्रतिभा को निखारने के पर्याप्त अवसर मिलें, उन्हें सुरक्षित, स्वस्थ और पोषित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। भारत में बच्चों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए कई कानून और योजनाएं लागू हैं, जिनमें बाल श्रम निषेध और विनियमन अधिनियम 1986, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, पॉक्सो एक्ट 2012 प्रमुख रूप से शामिल हैं। मिड-डे मील योजना और आंगनवाडी सेवा जैसी योजनाएं भी बच्चों के पोषण और शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अपनी-अपनी सहूलियत के आधार पर विभिन्न देशों द्वारा भले ही अलग-अलग तारीखों पर बाल दिवस मनाया जाता है लेकिन हर जगह बाल दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि इसके जरिये लोगों को बच्चों के अधिकारों तथा सुरक्षा के लिए जागरूक किया जा सके और बच्चों से जुड़े मुद्दों का समाधान किया जा सके।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा 20 नवम्बर 1954 को 'विश्व बाल दिवस' मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसका उद्देश्य यही था कि इस विशेष दिन के माध्यम से अलग-अलग देशों के बच्चे एक-दूसरे के साथ जुड़ सकें, जिससे उनके बीच आपसी समझ तथा एकता की भावना मजबूत हो सके।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

न्यायिक जीत को आर्थिक ताकत में बदलने की चुनौती

के.एस. तोमर

हिमाचल प्रदेश ने अपनी जमीन, जल और प्राकृतिक संसाधन देकर देश की बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में योगदान दिया, लेकिन उनके लाभ से लंबे समय तक वंचित रहा। पड़ोसी राज्यों को बिजली मिलती रही, जबकि हिमाचल अपने वैधानिक हिस्से की प्रतीक्षा करता रहा। सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले ने छह दशक पुराने इस विवाद के समाधान का रास्ता खोलते हुए बिजली के अधिकार को समयबद्ध आपूर्ति की व्यवस्था में बदल दिया है। हिमाचल सरकार का दावा है कि किशाऊ बहुउद्देशीय बांध समझौते पर अपनी सहमति को हरियाणा द्वारा सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर बीबीएमबी की बकाया बिजली के हिस्से के निपटारे पर आपत्ति न जताने से जोड़ दिया था। किशाऊ परियोजना से मिलने वाले अतिरिक्त पानी में हरियाणा की रुचि को रणनीतिक आधार बनाकर गतिरोध तोड़ने की कोशिश की गई। हिमाचल सरकार के हस्तक्षेप से समाधान की प्रक्रिया आगे बढ़ी हो सकती है, लेकिन इससे वह अधिकार पैदा नहीं हुआ, जिसे 2011 में ही न्यायिक मान्यता मिल चुकी थी।

पूर्व मुख्यमंत्री, प्रेम कुमार धूमल ने इस मामले में आपत्ति जताते हुए कहा कि हिमाचल के अधिकारों के लिए भाजपा का योगदान 1990 में शांता कुमार सरकार के समय से शुरू हुआ था। वर्ष 1996 में वीरभद्र सिंह सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किए जाने के बाद 1998 में सत्ता में आई उनकी पहली सरकार ने इस मामले की पैरवी को और मजबूत किया। 2007 में दोबारा सत्ता में आने के बाद भाजपा सरकार ने इसे आगे बढ़ाया और 2011 का फैसला उनके कार्यकाल में आया। हालांकि, धूमल कांग्रेस सरकारों के योगदान को भी स्वीकार करते हुए कहते हैं कि इसका असली श्रेय हिमाचल की जनता को मिलना चाहिए। इस विवाद की जड़ें भाखड़ा-नंगल और ब्यास परियोजनाओं में हैं, जिनकी परिकल्पना अविभाजित पंजाब के समय की गई थी। भाखड़ा बांध के निर्माण से तत्कालीन बिलासपुर रियासत के बड़े भूभाग जलमग्न हुए, जबकि ब्यास परियोजनाओं के कारण कांगड़ा के लोगों को विस्थापन झेलना पड़ा।

पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के तहत पहाड़ी क्षेत्र हिमाचल प्रदेश में शामिल किए गए। इसके बाद बिजली के हिस्से और देनदारियों को लेकर विवाद खड़ा हुआ। हिमाचल ने अपने क्षेत्रीय और जनसंख्या संबंधी योगदान के आधार पर बीबीएमबी की बिजली में 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी का दावा किया। पंजाब और हरियाणा को उनके



हिस्से मिलते रहे, जबकि हिमाचल को रियायती दर पर सीमित बिजली आवंटित की जाती रही। वर्ष 1996 में वीरभद्र सिंह सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

27 सितंबर, 2011 को अदालत ने भाखड़ा-नंगलऔर ब्यास परियोजनाओं से हिमाचल के 7.19 प्रतिशत अधिकार को मान्यता दी। लेकिन बकाया बिजली की गणना और उसकी अदायगी का प्रश्न लंबे समय तक अनसुलझा रहा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने आखिरकार नकद भुगतान के बजाय बिजली की आपूर्ति के माध्यम से देनदारी का निपटारा किया। वहीं केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने संचित बकाया बिजली का आकलन 13,066 मिलियन यूनिट किया। हिमाचल की पूंजीगत लागत की देनदारी 420.77 करोड़ रुपये निर्धारित की गई, जिसमें पंजाब को 249.23 करोड़ और हरियाणा को 171.55 करोड़ रुपये दिए जाने थे। प्रति यूनिट 3.85 रुपये की दर से लगभग 1,093 मिलियन यूनिट बिजली का समायोजन इस देनदारी के विरुद्ध किया गया। इसके बाद हिमाचल का शुद्ध बिजली अधिकार 11,973 मिलियन यूनिट रह गया।

पंजाब और हरियाणा अगले 20 वर्षों तक अक्तूबर से मार्च के बीच बिजली की कमी वाले मौसम में प्रतिवर्ष लगभग 653 मिलियन यूनिट बिजली की आपूर्ति करेंगे। भाखड़ा-नंगल परियोजना के लिए दोनों राज्यों के बीच 58:42 और ब्यास परियोजना के लिए 60:40 का अनुपात निर्धारित किया गया है। हिमाचल को इस बिजली पर लागू बीबीएमबी शुल्क भी देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्देशों को बाध्यकारी बनाया है। हिमाचल के लिए यह बिजली महत्वपूर्ण आर्थिक संसाधन साबित हो सकती है।

सरकार का अनुमान है कि छह रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली बेचने पर राज्य को सालाना लगभग 500 करोड़ रुपये मिल सकते हैं। ऊंची दरों पर यह राशि 1,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। यह समझना जरूरी है कि 11,973 मिलियन यूनिट बिजली 20 वर्षों में मिलेगी, एकमुश्त नहीं। यदि इसकी औसत कीमत 10 रुपये प्रति यूनिट मानी जाए, तो पूरे 20 वर्षों में इसका सकल मूल्य लगभग 11,973 करोड़ रुपये होगा, न कि हर साल 10 हजार करोड़ रुपये।

मौजूदा लोकतंत्र में प्रासंगिक पंचतंत्र की शिक्षाएं



कृष्ण कुमार

लुटियंस दिल्ली में हुए हालिया घटनाक्रम को याद करते हुए, शिक्षा-शास्त्र के प्राचीन ग्रंथ, पंचतंत्र की ओर ध्यान जाता है। यह हमें इन दिनों दुर्लभ सुकून और समझ प्रदान करता है। पंचतंत्र में पांच चक्र हैं, जो एक रहस्यमयी परतों में गुंथे हैं। इसकी लोकप्रियता कई पाठकों को इसे जानवरों की काल्पनिक कथाओं का संग्रह समझने पर मजबूर करती है, जिसमें जीवन जीने के ढंग सिखाने वाले मूल्य हैं। यह बात कुछ कहानियों के लिए सच हो सकती है, सबके लिए नहीं। इसीलिए कुछ चुनींदा कहानियां बच्चों के लिए बनी मानी जाती हैं। पंचतंत्र की ज़्यादातर कहानियों में एक गहरा राजनीतिक और प्रशासनिक संदेश है जिसकी व्याख्या करना एक चुनौती है। इनका ताना-बाना भी कम महत्वपूर्ण नहीं। इसमें प्रतीकात्मक अर्थों की अनेक परतें हैं, और यही चीज़ कहानियों में है। वे हमें उन अलग-अलग पहलुओं को समझने में मदद करती हैं जिनसे आम लोग राज्य-व्यवस्था से जुड़े महसूस करें।

नागरिक अथवा मानवाधिकारों का विचार आने से कहीं पहले लिखे गए 'पंचतंत्र' की बनावट, कहानियां और पात्र हमारी वर्तमान मुश्किलों से बहुत मिलते-जुलते हैं। अधिकार आधुनिक दुनिया में नागरिकता का एक आवश्यक अंग हैं, लेकिन वे अकेले ऐसी धुरी नहीं हैं जिससे नागरिक का राज्य-व्यवस्था से जुड़ाव हो। असल में, दार्शनिक नजरिए से, राज्य लोगों से ही मिलकर बनता है, और उन्हीं की तरफ से राज्य-व्यवस्था के अधिक प्रत्यक्ष पदाधिकारी देश का कामकाज संभालते हैं। हालांकि, जो वोट हमें कभी-कभार डालना होता है, वह अक्सर हमें राज्य-व्यवस्था और उसके तंत्र के साथ अपने रोजमर्रा के रिश्ते को भूल जाने पर मजबूर कर देता है। पंचतंत्र हमें उन अनेक तरीकों की याद दिलाता है जिनके माध्यम से समाज के आम लोग उस नीति का पालन करते हैं, जिस पर राज्य-व्यवस्था को आधारित माना जाता है। नीतिशास्त्र की पुस्तक के रूप में पंचतंत्र के पास आज हमें देने के लिए उससे कहीं ज्यादा है जितना हम जानते हैं। हालांकि इसकी हर कहानी उस समस्या को हल करके खत्म होती है जिसको आधार बनाकर उसकी शुरुआत होती है, लेकिन कहानी के आखिर में हमेशा बहस का परिदृश्य बनता है, जो कथानक के परिणाम को रेखांकित करती है।

इसके बाद एक और कहानी आती है। कथा के आखिर में जो बहस होती है, उससे अलग-अलग व्याख्या निकालने की गुंजाइश बढ़ जाती है, और इस तरह एक और कहानी की जरूरत महसूस होती है। दुनिया के मामलों पर विचार करने में, भाग-2 की कहानी के पात्र विशेष को पढ़कर बहुत खुशी मिलती है, जो एकदम अलग परिवेश वाले चार जीवों- एक कौआ, एक हिरण, एक चूहा और एक कछुआ- की दोस्ती से जुड़ी है। हर दोपहर, वे एक प्राचीन पेड़ के नीचे इकट्ठा होते हैं और अपनी दुनिया यानि जंगल का जायज़ा लेते हैं।

यूनिवर्सिटी या कॉलेज के लिए इससे बेहतर आदर्श उदाहरण क्या हो सकता है? अफसोस, हमारे मौजूदा विश्वविद्यालयों ने वह आदर्श खो दिया है। उन्होंने एक अलग ही आदर्श अपना लिया है— यानी अपनी-अपनी सफलता के लिए मुकाबला करना और जो भी राज्य-व्यवस्था हो, उसके आगे झुक जाना। हज़ारों छात्र अपना लक्ष्य पाने में नाकाम रहते हैं। उनका लंबा, अकेला संघर्ष उनकी जवानी की ऊर्जा या दुनिया का जायजा लेने का जोश खत्म कर देता है, जैसा कि पंचतंत्र के चार दोस्त किया करते थे। पंचतंत्र का भाग-3 या तीसरा चक्र, स्थाई दुश्मनी की भावना के बारे में है। यह चक्र अलग-अलग किस्म की सलाहें और साजिशों से पैदा हुए भयानक नतीजे दर्शाता है। दुश्मनी भयानक हिंसा के अध्याय में खत्म होती है, जो पाठक को मुश्किल दुविधा और बेचैनी का अहसास कराती है। इस अहसास की शुरुआत हमेशा एक-दूजे पर शक करते रहने की आदत से होती है, इसमें दुश्मन पक्षों ने पंचतंत्र के इस एक मूल सिद्धांत का पालन नहीं किया- हर समस्या को, यहां तक कि पुरानी समस्याओं को भी, संवाद या बहस की मदद से सुलझाना। कोई हैरानी नहीं कि तीसरे भाग के बाद आखिरी दो भाग आते हैं, 'लाभ का नुकसान' और 'बिना जांचे-परखे काम करना'। इन दोनों भागों का मर्म दुखद है, जो नीति पर अमल न करने के अंजाम से चेताता है। चौथे भाग में, कहानी धोखे के परिणामों के बारे में है। यह एक लोकप्रिय कहानी है, जो एक बंदर और मगरमच्छ के बीच दोस्ती के इर्द-गिर्द बुनी गई है। उनके रिश्ते को मीठे फल वाले उस पेड़ ने बढ़ावा दिया, जिसपर एक बंदर रहता है और जिसके नीचे मगरमच्छ हर दिन अपने दोस्त से मिलने आता है। चंडीगढ़ की सुखना झील का बड़ा पेड़ मुझे हमेशा पंचतंत्र की इस कहानी की याद दिलाता है। संकट तब पैदा होता है जब मगरमच्छ बंदर को धोखा देता है। लगभग उसकी जान ही चली गई थी, लेकिन युक्ति लगाकर बच निकलता है।

पर इसके बाद से पुरानी दोस्ती निभाने से साफ मना कर देता है। एक के बाद एक कहानियां यह समझाती हैं कि टूटे भरोसे को फिर से जोड़ना मुश्किल होता है। मगरमच्छ को कितना भी पछतावा क्यों न हो, उसका पुराना दोस्त अपने पुराने, टूटे रिश्ते को पुन: स्थापित करने की किसी भी संभावना को नकार देता है। आज के माहौल में जब हम ये कहानियां पढ़ते हैं, तो हम लोकतंत्र के उस पेड़ के बारे में सोचने से खुद को नहीं रोक पाते जिसने लंबे समय तक परस्पर विरोधी दलों और उनकी सोच को पाला-पोसा, हर एक को कुछ समय के लिए हावी होने दिया।

गुरु पर्व

इस दिन क्या करते हैं लोग

गुरु नानक जयंती के अवसर पर, लोग अपने घरों में गुरु नानक देव जी की तस्वीर के सामने दीये जलाते हैं और उनकी शिक्षाओं को याद करते हैं। वे अपने परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर गुरुद्वारे में जाते हैं और गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं पर आधारित कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। इसके साथ ही इस दिन जगह-जगह पर लंगर को आयोजन भी किया जाता है। तो वहीं कई लोग गुरु नानक जयंती पर अखंड पाठ भी कराते हैं।



नानक नाम जहाज है जो जपे वो तर जाए

सिख धर्म के पहले गुरु श्री नानक देव जी की जयंती के रूप में मनाई जाती है। यह त्योहार हर साल कार्तिक मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। गुरु नानक जयंती का त्योहार सिख धर्म के लोग बेहद धूमधाम से मनाते हैं। इस दिन गुरुद्वारों को रोशनी से सजाया जाता है, प्रभात फेरी निकाली जाती है, इस दिन सिख लोग गुरुद्वारे जाते हैं और कीर्तन में शामिल होते हैं। गुरु नानक देव ने समाज की बुराइयों को दूर करने और लोगों के बीच भाईचारे को बढ़ाने का प्रयास किया। उन्होंने गुरु परंपरा की शुरूआत की और सिख धर्म की स्थापना की। कहते हैं इस दिन सच्चे मन से गुरु नानक जी का ध्यान कर उनका स्मरण करने से मन को शांति प्राप्त होती है। साथ ही मन्नतें अवश्य पूरी होती हैं। श्री गुरु नानक देव जी ने समाज से अज्ञानता को भगाने के लिए ज्ञान का प्रकाश किया, इसलिए गुरु नानक देव जी की जयंती को प्रकाश पर्व भी कहा जाता है। नानक देव जी की जयंती को गुरु पर्व भी कहा जाता है।

नानक जी की महत्वपूर्ण बातें

गुरु नानक देव जी ने महत्वपूर्ण बातें बताईं हैं जिसका प्रत्येक सिख परिवार को अनुसरण करना जरूरी है। हर सिख को नाम जप करना, कीरत करना और वंड चखना आवश्यक है। हर दिन आप अपने वाहेगुरु के नाम का स्मरण करें। ईश्वर का नाम लें। ईमानदारी और मेहनत से अपना काम करें और सत्य के पथ पर चलें। आप ने जो कुछ भी हासिल किया है, उसका मिल बांटकर आनंद लें। अपनी कमाई का एक हिस्सा गरीबों को दान या सामाजिक उत्थान में लगाएं। उन्होंने मानवता के लिए समानता, प्रेम और सेवा का संदेश दिया।

कब है जयंती

साल 2026 में गुरु नानक जयंती (गुरपुरब) मंगलवार, 24 नवंबर 2026 को मनाई जाएगी। सिख धर्म के संस्थापक श्री गुरु नानक देव जी का यह 557वां प्रकाश उत्सव होगा। हिंदू चंद्र कैलेंडर के अनुसार, यह पवित्र त्योहार हर साल कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि को पड़ता है। पूर्णिमा तिथि सोमवार, 23 नवंबर 2026 को रात 11:42 बजे से और समाप्ति मंगलवार, 24 नवंबर 2026 को रात 08:23 बजे तक रहेगी। इस विशेष दिन को गुरु नानक प्रकाश उत्सव या गुरपुरब के नाम से भी जाना जाता है। देश भर के गुरुद्वारों में इस दिन भव्य कीर्तन, अखंड पाठ और लंगर का आयोजन किया जाता है।



कब हुआ था जन्म

गुरु नानक देव का जन्म 15 अप्रैल 1469 में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के तलवंडी नामक गांव में हुआ था, आज उस स्थान को श्री ननकाना साहिब के नाम से जाना जाता है। यह सिखों के लिए सबसे महत्वपूर्ण और आस्था का स्थान है। सिख धर्म के संस्थापक और पहले गुरु नानक देव जी का जन्म कार्तिक पूर्णिमा के दिन हुआ था। हर साल कार्तिक पूर्णिमा तिथि को गुरु नानक जयंती मनाई जाती है। गुरु नानक जयंती को गुरु पर्व या नानक देव का प्रकाश पर्व भी कहते हैं। गुरु नानक जयंती दिवाली के 15 दिनों के बाद मनाई जाती है। गुरु नानक जयंती सिखों के लिए सबसे बड़ा पर्व है।

हंसना मना है

टीचर : एक टोकरी में 10 आम हैं, उसमें से 2 आम सड़ गए, बताओ कितने आम बचे? संजू : सर , 10 आम, टीचर : वो कैसे? संजू : सड़ने के बाद भी आम तो आम ही रहेगा ना , केले तो बन नहीं जायेंगे, आज संजू एक वकील है।

पप्पू- क्या तुमको पता है कि मंदिर में पुरुष ही पुजारी क्यों होते हैं, चप्पू- नहीं यार तुम ही बता दो, गप्पू- मुझे पता है मैं बताता हूं, गप्पू- ताकि, लोग सिर्फ भगवान पर ध्यान दे सकें।

हसबैंड- डार्लिंग तुम खुबसूरत होती जा रही हो, पत्नी किचन से- तुमने कैसे जाना ? हसबैंड- तुम्हें देखकर तो अब रोटियां भी जलने लगी हैं।

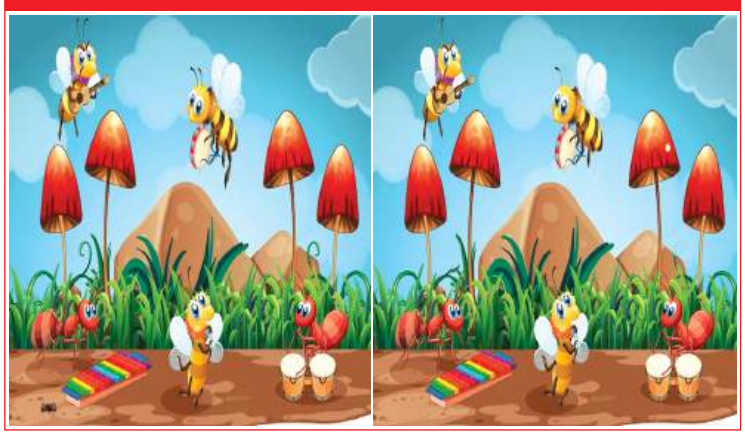
एक बाबा औरतों पर ज्ञान दे रहे थे... औरतों के पास यदि अलादीन का चिराग होता तो... जिन्न या तो मेथी छांट रहा होता या फिर मटर छिल रहा होता...

एक हाथी ने रोमांटिक मूड में एक चींटी को छेड़ दिया, चींटी गुस्से में हाथी की बीवी के पास गई और बोली, अपने आवारा शौहर को संभाल लो, वर्ना मर्द हमारे भी छिछोरे हैं और बाहर तुम भी निकलती हो..

कहानी — जोरू का गुलाम

एक बार की बात है, राजा अकबर व बीरबल दरबार में बैठे कुछ अहम मामलों पर चर्चा कर रहे थे। तभी बीरबल ने अकबर से कहा, मुझे लगता है कि ज्यादातर पुरुष जोरू के गुलाम होते हैं और अपनी पत्नियों से डर कर रहते हैं। बीरबल की यह बात राजा को बिल्कुल भी पसंद न आई। उन्होंने इस बात का विरोध किया। इस पर बीरबल भी अपनी बात मनवाने पर अड़ गए। उन्होंने राजा से कहा कि वे अपनी बात को सिद्ध कर सकते हैं। मगर, इसके लिए राजा को प्रजा के बीच एक आदेश जारी करवाना होगा। वह आदेश यह था कि, जिस पुरुष के अपनी पत्नी से डरने की बात सामने आएगी, उसे दरबार में एक मुर्गी जमा करानी होगी। राजा बीरबल की इस बात पर तैयार हो गए। अगले ही दिन प्रजा के बीच आदेश कराया गया कि अगर यह बात सिद्ध हो जाती है कि कोई पुरुष अपनी पत्नी से डरता है, तो उसे दरबार में आकर बीरबल के पास एक मुर्गी जमा करवानी होगी। फिर क्या था, देखते ही देखते बीरबल के पास ढेरों मुर्गियां इकट्ठा हो गईं और सैंकड़ों मुर्गियां महल के बगीचे में घूमने लगीं। अब बीरबल राजा के पास पहुंचे और बोले, महाराज! महल में इतनी मुर्गियां इकट्ठा हो गई हैं कि आप एक मुर्गीखाना खोल सकते हैं, इसलिए अब आप इस आदेश को वापिस ले सकते हैं। मगर, महाराज ने इस बात को गंभीरता से नहीं लिया और महल में मुर्गियों की संख्या धीरे-धीरे और भी ज्यादा बढ़ने लगी। इतनी अधिक मुर्गियां महल में जमा हो जाने के बाद भी जब राजा अकबर बीरबल की बात से सहमत नहीं हुए, तो बीरबल ने अपनी बात सिद्ध करने के लिए एक नया उपाय निकाला। एक दिन बीरबल राजा के पास गए और बोले, महाराज! मैंने सुना है कि पड़ोस के राज्य में एक बहुत ही खूबसूरत राजकुमारी रहती है। अगर आप चाहें, तो क्या मैं आपका रिश्ता वहां पक्का कर आऊं? यह सुनते ही राजा चौंक उठे और बोले, बीरबल! तुम ये कैसी बातें कर रहे हो। महल में पहले से ही दो महारानियां मौजूद हैं। अगर उन्हें इस बात की भनक भी लगी, तो मेरी खैर नहीं होगी। यह सुनकर बीरबल ने तपाक से जवाब दिया, चलिए महाराज, फिर तो आप भी मेरे पास दो मुर्गियां जमा करा ही दीजिए। राजा बीरबल का ऐसा जवाब सुनकर शरमा गए और उन्होंने अपना आदेश उसी वक्त वापस ले लिया।

7 अंतर खोजें





पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — दफ्तर में आपकी बातों को गंभीरता से लिया जा सकता है। वाणी और व्यवहार की कुशलता से व्यापार में नए संपर्क बनाने का अवसर मिलेगा। संचित धन बढ़ाने पर ध्यान दें।

वृषभ — आपके निर्णय लेने की क्षमता की सराहना हो सकती है। व्यापार में नई योजनाओं की शुरुआत से पहले समीक्षा करें। उत्साह बनाए रखने के लिए पर्याप्त नींद और आराम लें।

मिथुन — दफ्तर में काम का बोझ अधिक रह सकता है, धैर्य बनाए रखें। लेनदेन के मामलों में सावधानी बरतें। मित्रों से बातचीत करने पर मन हल्का महसूस हो सकता है।

कर्क — अधिकारियों का सहयोग मिल सकता है, काम आसानी से आगे बढ़ सकते हैं। व्यापार में लाभ के अवसरों का आकलन करें। मानसिक शांति के लिए आराम व व्यायाम के बीच संतुलन रखें।

सिंह — करियर में प्रगति के अवसर मिल सकते हैं, नई जिम्मेदारियों के लिए तैयार रहें। व्यापारिक नीतियों में बदलाव से पहले संभावित लाभ और जोखिम समझें।

कन्या — रुके हुए काम पूरे करने के लिए प्राथमिकताएं तय करें। दूरदराज के संपर्कों से व्यापारिक अवसर मिल सकते हैं। स्वास्थ्य के लिए योग और नियमित व्यायाम करें।

तुला — काम में सावधानी रखें और जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें। व्यावसायिक सौदों में नियमों और दस्तावेजों का ध्यान रखें। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें।

वृश्चिक — साझेदारी के कामों में तालमेल बनाए रखने से लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। नए व्यावसायिक अनुबंधों पर विचार करते समय शर्तें ध्यान से पढ़ें।

धनु — आपकी कार्यशैली और मेहनत से कार्यक्षेत्र में पहचान मिल सकती है। कर्ज या पुराने बकाये से जुड़े मामलों को सुलझाने के प्रयास करें।

मकर — आपकी बौद्धिक क्षमता से काम के नए रास्ते खुल सकते हैं। नए प्रोजेक्ट पर काम करने से पहले उनकी व्यवहार्यता जांचें। संतान पक्ष से संतोषजनक समाचार मिल सकता है।

कुम्भ — कार्यस्थल पर शांति बनाए रखें और जिम्मेदारियों पर ध्यान दें। संपत्ति के कारोबार में सभी दस्तावेजों की जांच करें। बजट के अनुसार खर्च करें और बचत को प्राथमिकता दें।

मीन — साहस और मेहनत से कार्य पूरे करने पर ध्यान दें। छोटी यात्राओं से व्यापार विस्तार के अवसर मिल सकते हैं। भाई-बहनों के साथ संबंध मधुर बनाए रखें।

फिर से शानदार वापसी करेंगी अल्का याग्निक!

फिल्ममेकर सुभाष घई ने फिल्म इंडस्ट्री में 50 साल पूरे कर लिया हैं। इस खास मौके पर क्या जमाना था नाम की का एक म्यूजिकल इवेंट रखा है। इस आयोजन में बॉलीवुड की कई मशहूर सिंगर शामिल होगीं। इनमें से एक मेलोडी क्वीन अलका याग्निक का नाम भी सामने आ रहा है। इसकी जानकारी सुभाष ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को दी। सुभाष घई इस खास आयोजन का निमंत्रण देने सिंगर अलका याग्निक के घर पहुंचे। इस मुलाकात की तस्वीरें एक्टर ने सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने अपनी पोस्ट को एक प्यारा सा कैपशन भी दिया। उन्होंने लिखा, 'अल्का याग्निक ने फिर से शानदार वापसी । उनकी





आवाज, उनकी चमक, उनका जोश, कल रात जब मैं उनके घर उनसे मिलने गया, तो मुझे यह बात बहुत गहराई से महसूस हुई कि मैं उन्हें 11 दिसंबर को जियो गार्डन में होने वाले हमारे संगीतमय कार्यक्रम में आमंत्रित करूं, जो मेरे संगीतमय सफर के 50 साल पूरे होने का प्रतीक है।'

अलका याग्निक ने निर्देशक सुभाष घई की कई फिल्मों में म्यूजिक दिया है। उन्होंने खलनायक, ताल, परदेस, यादें और कई अन्य यादगार फिल्मों में साथ काम किया है। उनके गाने हिंदी सिनेमा की संगीतमय विरासत का अभिन्न अंग रहे हैं, इसलिए इस समारोह में अलका याग्निक की उपस्थिति विशेष है। इस साल अलका याग्निक को पद्मभूषण सम्मान दिया गया था। उस दौरान सिंगर की सेहत काफी लग रही थी। इस पर उन्होंने पोस्ट कर फैंस को जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा, 'पिछले दो वर्षों से मैं पब्लिक में आने से और अपने सफर के बारे में ज्यादातर बातें शेयर करने से दूर रही हूं। आप में से कई लोग जानते थे कि मेरी सेहत ठीक नहीं है। इस सब के दौरान, आपका प्यार, दुआएं, मैसेज और सपोर्ट हर कदम पर मेरे साथ रहा है।



'शूर्पणखा' ने तोड़ी चुप्पी : 2028 से पहले ही रिलीज हो जाएगी फिल्म रामायणम् 2

किसी निगेटिव रोल को भी अगर सराहना मिले तो इसका मतलब होता है कि दर्शक उसे पसंद कर रहे हैं। फिल्म रामायणम् में अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने शूर्पणखा का रोल निभाया है। रकुल प्रीत के इस रोल की तुलना टेलीविजन पर अभिनेत्री उर्वशी ढोलकिया के निभाए पात्र कोमोलिका (कसौटी जिंदगी की) से हो रही है। उसके बैकग्राउंड म्यूजिक पर रकुल के सूर्पणखा वाले पात्र के वीडियोज एडिट करके इंटरनेट मीडिया पर चल रहे हैं। इसे लेकर रकुल प्रीत कहती हैं, मुझे वह मीम्स और वीडियोज पसंद आ रहे हैं।

मुझे लगता है कि अब वक्त आ गया है कि आप बिना डरे हर तरह के रोल करें। जैसे विदेशी फिल्मों में होता है, वे कभी किसी फिल्म में पॉजिटिव रोल कर लेते हैं, किसी में निगेटिव। कभी हीरो, हीरोइन, कभी विलेन के रोल कर लेते हैं। रकुल ने आगे कहा, हर पात्र को केवल उसी पात्र के हिसाब से देखा जाना चाहिए। कोई इमेज नहीं बनानी चाहिए। कलाकार को हमेशा कुछ नया करते रहना चाहिए। एक ही चीज कितनी बार करेंगे।

फिल्म रामायणम् 2 साल 2028 में रिलीज होगी। क्या इस फिल्म को उससे पहले लाने की कोई संभावनाएं हैं? इस पर वह कहती हैं कि जटायु और रावण के जिस सीन को लेकर सराहना हो रही है, केवल उसको डिजाइन करने में कई महीने लग गए थे। इसलिए इसके दूसरे पार्ट को जल्दी नहीं लाया जा सकता है। उस स्तर की क्वालिटी के लिए समय लगता है। मुझे तो लगता है कि रामायणम् के हर पात्र पर पूरी फिल्म बन सकती है। इसकी योजना भी है कि युद्ध के बाद क्या हुआ होगा। हर पात्र का अपना सफर है। आपको बता दें कि रकुल को सूर्पणखा के रोल के लिए काफी तारीफें मिल रही हैं।

टाइगर श्रॉफ की फिल्म वज्र में हुई मिर्जापुर के बिरजू लोहार की एंट्री

अब फिल्म वज्र से जुड़ी एक नई जानकारी सामने आई है। टाइगर की आने वाली इस फिल्म में मिर्जापुर द मूवी के एक्टर की एंट्री हो गई है, जो विलेन के किरदार में नजर आएंगे। जानिए क्या होगी फिल्म की कहानी और कब होगी रिलीज।

फिल्म मिर्जापुर द मूवी में बिरजू लोहार का किरदार निभाने वाले अभिनेता मोहित मलिक भी टाइगर श्रॉफ की फिल्म वज्र का हिस्सा बन गए हैं। खास बात यह है कि वह फिल्म में टाइगर श्रॉफ के खिलाफ विलेन की भूमिका निभाते



नजर आएंगे।

मोहित मलिक और टाइगर श्रॉफ पहली बार किसी फिल्म में साथ काम करने जा रहे हैं। फिल्म में मोहित के किरदार को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन बताया जा रहा है कि उनकी भूमिका कहानी के लिहाज से काफी अहम होगी। फिल्म की शूटिंग जापान में भी किए जाने की उम्मीद है। मोहित मलिक इससे पहले अपने चर्चित किरदार बिरजू लोहार को लेकर सुर्खियों में रहे थे। अब वज्र में वह एक अलग तरह का किरदार निभाने जा रहे हैं। इस बार वह पर्दे पर नेगेटिव भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि वज्र में मोहित का किरदार काफी दिलचस्प है। टाइगर श्रॉफ के सामने विलेन बनकर उन्हें एक अलग अंदाज में खुद को पेश करने का मौका मिलेगा।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म की कहानी एक्शन पर आधारित है। राम माधवानी के निर्देशन में बन रही वज्र को लेकर दर्शकों के बीच अभी से एक्साइटमेंट है। वहीं, महावीर जैन इस फिल्म के निर्माता हैं। फिलहाल वज्र की रिलीज डेट को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

एक्टर धनुष के जबरा फैन निकले अमिताभ बच्चन

धनुष अपनी नई फिल्म ऑपरेशन मोल (ओम) को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच अमिताभ बच्चन ने धनुष की तारीफ की है। कौन बनेगा करोड़पति के एक हालिया प्रोमो में, अमिताभ बच्चन ने एक कंटेस्टेंट से धनुष के बारे में बात की और 2015 की फिल्म शमिताभ में उनके साथ काम करने के अपने अनुभव को याद किया। प्रोमो में दिखाया गया है कि जब कंटेस्टेंट ने बताया कि वह धनुष के बहुत बड़े फैन हैं, तो बिग बी ने तुरंत कहा, आपने कहा कि आप धनुष के बहुत बड़े फैन हैं और हम दोनों में एक बात कॉमन है। मैं भी उनका बहुत बड़ा फैन हूं। इसके बाद कंटेस्टेंट ने कहा कि उसे बिग बी से जलन हो रही है क्योंकि उन्हें धनुष के साथ बातचीत करने और काम करने का मौका मिला।







अपनी बात आगे बढ़ाते हुए बिग बी ने धनुष के साथ काम करने को याद किया और कहा, सच कहूं तो, वह एक असाधारण कलाकार हैं। उन्हें कोई भी रोल करने के लिए कहिए, वह पूरी तरह से उसमें डूब जाते हैं। वह एक बहुत अच्छे डांसर भी हैं। मुझे शमिताभ में उनके साथ काम करने का मौका मिला, जो मेरे लिए बड़े सौभाग्य की बात थी। मैंने उनके बारे में बहुत कुछ सुना था और काफी कुछ जानता भी था, लेकिन फिर मैं उनसे मिला, उनके साथ काम किया और उनका काम देखा। सच में वह एक असाधारण कलाकार हैं। बता दें कि धनुष और अमिताभ बच्चन ने साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म शमिताभ में काम किया था। फिल्म का निर्देशन आर बाल्की ने किया था। फिल्म में दिखाया गया है कि एक मूक अभिनेता के अभिनय और एक दमदार आवाज वाले कलाकार के स्वर को मिलाकर एक नया सितारा शमिताभ बनाया जाता है। इसमें अमिताभ बच्चन एक खास तकनीक के जरिए धनुष को आवाज देते हैं।

मां बनीं सामंथा रुथ प्रभु साझा की पहली तस्वीर

सामंथा रुथ प्रभु मां बन गई हैं। उन्होंने बेटे को जन्म दिया है। अभिनेत्री ने खुशखबरी साझा करते हुए बेटे की पहली झलक दिखाई है। हालांकि, उन्होंने बेबी बॉय का चेहरा रिवील नहीं किया है। कपल ने अपने बेटे का नाम देव निदिमोरु रखा है।

सामंथा के इंस्टाग्राम अकाउंट से आज शुक्रवार को एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें बेटे के जन्म की खुशखबरी शेयर की गई है। राज और सामंथा के घर नन्हे मेहमान का जन्म 19 नवंबर 2026 को हुआ। पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, हमारा खूबसूरत बेबी बॉय। देव निदिमोरु। 19 नवंबर 2026, यह हमारी जिंदगी का अब तक का सबसे खुशनुमा पल है। सामंथा रुथ ने 18 नवंबर को अपने बेबी शावर की झलकियां सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। आज शुक्रवार को उन्होंने मां बनने की गुड न्यूज शेयर की है। बता दें कि राज और सामंथा ने 01 दिसंबर 2025 को



शादी रचाई थी। पहली एनिवर्सरी से पहले इस खूबसूरत जोड़ी के घर नन्हे मेहमान के आगमन ने खुशियों को और बढ़ा दिया है।

माता-पिता बनने पर सामंथा और राज निदिमोरु को फैंस शुभकामनाएं दे रहे हैं। अनन्या से लेकर नयनतारा, तमन्ना भाटिया तक कई सेलेब्स ने भी रिएक्शन दिए हैं और बधाई दी है। नयनतारा ने लिखा है, बहुत बहुत मुबारक हो। तुम्हारे लिए मुझे बहुत खुशी हो रही है। भूमि पेडनेकर ने भी कपल को बधाई देते हुए रेड हार्ट इमोजी बनाए हैं।

राजस्थान पंचायत चुनाव परिणाम ने दिए बीजेपी को सियासी घाव

» कांग्रेस में जीत का जश्न बीजेपी करेगी मंथन

» डोटासरा बोले- नतीजे सरकार के खिलाफ जनता का संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान पंचायत चुनाव के नतीजों ने भाजपा का सियासी घाव दे दिया है। परिणामों को लेकर बीजेपी वऔर कांग्रेस के बीच सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस ने पंचायत चुनावों में अपने प्रदर्शन को भाजपा सरकार के तीन साल के कामकाज के खिलाफ ग्रामीण जनता का फैसला बताया, वहीं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने परिणामों को जनादेश के रूप में स्वीकार करते हुए पार्टी स्तर पर मंथन करने की बात कही। कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में जीत का जश्न मनाया गया। नेताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की।

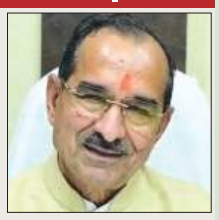
कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पंचायत राज चुनावों के परिणामों को राजस्थान के राजनीतिक इतिहास में अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि आमतौर पर पंचायत और नगर निकाय चुनावों में सत्तारूढ़ दल को फायदा मिलता है, लेकिन इस बार जनता ने भाजपा सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण मतदाताओं ने सरकार के दावों का जवाब दिया है। डोटासरा ने नगर निकाय चुनावों में परिसीमन, पुलिस-प्रशासन और सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग के आरोप भी दोहराए। उन्होंने कहा कि वोट प्रतिशत लगभग बराबर होने के बावजूद भाजपा ने निकाय चुनावों में अधिक सीटें जीती थीं, लेकिन पंचायत चुनावों में जनता ने अपना फैसला सुना दिया। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने जिला प्रमुख और प्रधान के चुनावों को लेकर भी भाजपा को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि जिन जगहों पर कांग्रेस के पास पूर्ण बहुमत है, वहां पार्टी अपना बहुमत कायम रखेगी। अन्य जगहों पर इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर भाजपा और एनडीए को रोकने का प्रयास होगा। उन्होंने चुनाव में किसी तरह की गड़बड़ी की कोशिश होने पर विरोध करने की बात कही।



गहलोत ने ग्रामीण मतदाताओं के फैसले को बताया अहम

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी कांग्रेस के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ग्रामीण मतदाताओं ने भाजपा सरकार की कथित उपेक्षा के खिलाफ संदेश दिया है और कांग्रेस की योजनाओं के प्रति भरोसा जताया है।

परिणामों को जनादेश मानकर करेंगे मंथन : मदन राठौड़



भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पार्टी चुनाव परिणामों को जनादेश के रूप में स्वीकार करती है और सकारात्मक भाव से इनका मंथन कर आगे की रणनीति तय करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव झूठ और फेक नैरेटिव के आधार पर लड़ा, जबकि भाजपा ने विकास के मुद्दों पर जनता के बीच अपनी बात रखी। राठौड़ ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस को वोट चोरी, ईवीएम और निर्वाचन आयोग पर लगाए गए आरोपों के लिए देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाती रही, लेकिन अब चुनाव परिणामों के बाद उसके नेताओं का जश्न मनाना दोहरे चरित्र को उजागर करता है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि न तो ईवीएम सेट होती है और न ही निर्वाचन आयोग किसी दबाव में काम करता है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं के पुराने शासनकाल, पेपर लीक और भ्रष्टाचार के मुद्दों को उठाते हुए डोटासरा से भी जवाब मांगा। राठौड़ ने कहा कि भाजपा चुनाव परिणामों की समीक्षा करेगी और आगे की रणनीति बनाएगी।

वांगचुक के घर के बाहर से हटे सुरक्षाकर्मी

» नजरबंदी के दावों का पुलिस ने किया खंडन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लेह/जम्मू। पुलिस ने पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आवास से निषेधाज्ञा आदेश के पालन हेतु की गई व्यवस्थाएं हटा लीं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वांगचुक को नजरबंद नहीं किया गया था। यह कदम वांगचुक के आरोपों के बाद उठाया गया। वांगचुक ने पहले आरोप लगाया था कि 11 नवंबर को उन्हें विरोध प्रदर्शन स्थल से हटाकर घर तक सीमित कर दिया गया। लेह जिला पुलिस ने एक्स पर बताया कि निषेधाज्ञा आदेश के लिए की गई पुलिस व्यवस्था हटा ली गई है। यह स्पष्टीकरण उनके इस दावे के बाद आया कि आवास के बाहर सुरक्षाकर्मी तैनात थे। इन सुरक्षाकर्मियों के कारण उनकी आवाजाही पर रोक लग गई थी।



पुलिस ने कहा कि लेह के एडीएम ने सोनम वांगचुक के खिलाफ निषेधाज्ञा आदेश जारी किया था। उन्होंने यह भी दोहराया कि उन्हें नजरबंद नहीं किया गया है, जैसा कि दावा किया जा रहा है। वांगचुक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश साझा किया था। इसमें उन्होंने घर के बाहर सुरक्षाकर्मी, वाहन और टेंट होने का आरोप लगाया था। उन्होंने चारों तरफ हथियारबंद जवानों की तैनाती की बात कही थी। उन्होंने अपनी आवाजाही पर लगी पाबंदियों को कानूनी मंचों पर चुनौती देने की बात कही। वांगचुक ने सवाल उठाया कि बिना औपचारिक गिरफ्तारी के शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल होने से कैसे रोका जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये पाबंदियां लद्दाख से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर थीं। वह और अन्य कार्यकर्ता धरना प्रदर्शन की तैयारी कर रहे थे। इनमें लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस के नेता शामिल हैं। यह प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन चार दिसंबर को होने वाले चुनावों से भी जुड़ा था। ये चुनाव स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद के लिए होने थे। वांगचुक ने इन चुनावों के समय को लेकर चिंताएं जताई थीं।

वादा निभाने में विफल भाजपा : देवेंद्र यादव

» दिल्ली लक्ष्मी योजना के 6.93 लाख आवेदन लंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली लक्ष्मी योजना के क्रियान्वयन में देरी को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में हर परिवार की एक महिला को प्रतिमाह 2500 रुपये देने का वादा करने वाली भाजपा सत्ता में आने के बाद इसे पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने 20 नवंबर को जारी सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि योजना के तहत 7,52,314 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से केवल 48,591 को मंजूरी मिली है, जबकि 6,93,764 आवेदन लंबित हैं। वहीं, महज 4541 महिलाओं तक ही योजना का लाभ पहुंचा है। यादव ने कहा कि भाजपा ने चुनाव के दौरान महिलाओं को आर्थिक सहायता देने का बड़ा वादा किया था।



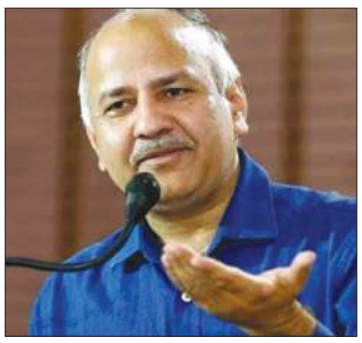
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सरकार बनने के तुरंत बाद पहली कैबिनेट बैठक में योजना को मंजूरी देने का आश्वासन दिया था। इसके बावजूद 21 महीने बीतने के बाद भी हजारों महिलाओं को ही इसका लाभ मिल पाया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब सरकार 4541 महिलाओं तक लाभ पहुंचाने में इतना समय लगा रही है तो बाकी लाखों महिलाओं को सहायता मिलने में दशकों लग जाएंगे। यादव ने कहा कि दिल्ली में 71 लाख से अधिक महिला मतदाता हैं। 2500 रुपये मासिक सहायता की उम्मीद में भाजपा को समर्थन देने वाली महिलाएं अब खुद को ठगा महसूस कर रही हैं। भाजपा को तत्काल योजना लागू कर लंबित आवेदनों का निपटारा करना चाहिए।

चुनावी वादे पूरे नहीं कर पाई कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जनता को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने 10 चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है, जिनमें महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये की सहायता, युवाओं के लिए 5 लाख नौकरियां और 300 यूनिट मुफ्त बिजली देना शामिल था। सिसोदिया ने कहा कि एक भी वादा पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार से महिलाएं और युवा विशेष रूप से निराश हैं। उन्होंने कहा कि आप ने महिलाओं और युवाओं की चिंताओं को उठाने के लिए सड़क पर उतरने का फैसला किया है, और भरोसा दिलाया कि अगर हिमाचल प्रदेश में उनकी पार्टी सत्ता में आती है, तो वह अपने सभी वादे पूरे करेगी।

पड़ोसी राज्य पंजाब में आप सरकार का उदाहरण देते हुए, उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पार्टी के सभी चुनावी वादों को पूरा किया है। दिल्ली के प्रदूषण संकट पर सिसोदिया ने कहा कि वायु प्रदूषण केवल दिल्ली की सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए केंद्र और सभी उत्तरी राज्यों के बीच एक समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि धूल और प्रदूषण राज्यों की सीमाओं को नहीं मानते, और उन्होंने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा अन्य उत्तरी राज्यों को मिलाकर एक संयुक्त रणनीति बनाने का आह्वान किया। उन्होंने अधिकारियों से यह भी अपील की कि वे प्रदूषण के लिए किसानों को दोष देना बंद करें, क्योंकि निर्माण कार्यों, वाहनों और अन्य स्रोतों का भी इस समस्या में योगदान होता है। उन्होंने कहा यह पूरे उत्तर भारत की सामूहिक विफलता है, और केंद्र को समाधान खोजने के लिए सभी उत्तरी राज्यों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। पंजाब में बढ़ती नशीले पदार्थों की समस्या पर, सिसोदिया ने इन आरोपों को खारिज कर दिया कि राज्य में नशीले पदार्थों का सेवन अपने चरम पर पहुंच गया है।



» सिसोदिया ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जनता को धोखा देने का लगाया आरोप

राहुल सेना देशों में शतक लगाने वाले पहले भारतीय ओपनर

» पाकिस्तान के सईद अनवर के बाद दुनिया के दूसरे ओपनर बने केएल राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वेलिंगटन। केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 203 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह उनके टेस्ट करियर का 13वां शतक है। इसके साथ ही राहुल सेना (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) के चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय ओपनर बन गए हैं। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के दूसरे ओपनर हैं। उनसे पहले पाकिस्तान के सईद अनवर ऐसा कर चुके हैं। राहुल ने इस शतक के साथ एक खास अंतरराष्ट्रीय सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है।

एशियाई बल्लेबाजों में मोहम्मद अजहरुद्दीन, सचिन तेंदुलकर, सईद अनवर, राहुल द्रविड़, यूनिस खान, कुमार संगकारा, विराट कोहली और केएल राहुल ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने सेना के चारों देशों में टेस्ट शतक लगाए हैं। हालांकि, इनमें सिर्फ सईद अनवर और केएल राहुल ही ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने बतौर ओपनर यह उपलब्धि हासिल की है। राहुल इस सूची में शामिल होने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। भारतीय ओपनरों में उनसे पहले कोई भी बल्लेबाज सेना के चारों देशों में टेस्ट शतक नहीं लगा सका था। सेना देशों में भारतीय ओपनरों के टेस्ट शतकों की सूची में सुनील गावस्कर शीर्ष पर हैं। उनके नाम आठ शतक दर्ज हैं। केएल राहुल सात शतकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा वीनू मांकड़, रवि शास्त्री, यशस्वी जायसवाल और वीरेंद्र सहवाग के नाम तीन-तीन शतक हैं। केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक लगाकर टेस्ट क्रिकेट में बतौर ओपनर अपना 12वां शतक पूरा किया। इसके साथ ही उन्होंने मुरली विजय की बराबरी कर ली है। भारत के लिए टेस्ट में ओपनर के तौर पर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज सुनील गावस्कर हैं। उनके नाम 33 शतक दर्ज हैं। वीरेंद्र सहवाग 22 शतकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।



भारत की न्यूजीलैंड पर 118 रन की बढ़त

वेलिंगटन। तीसरे दिन का खेल खत्म हो चुका है। भारत ने अपनी पहली पारी में चार विकेट गंवाकर 486 रन बना लिए हैं। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 368 रन बनाए थे। इस लिहाज से भारतीय टीम की अब तक बढ़त 118 रन की हो चुकी है। भारत ने शनिवार को एक विकेट पर 159 रन से आगे खेलना शुरू किया और आज 325 रन बनाए। भारत को तीन झटके देवदत्त पडिक्कल, केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के रूप में लगे। राहुल ने पडिक्कल के साथ 165 रन की साझेदारी निभाई। पडिक्कल ने भी दूसरा टेस्ट अर्धशतक लगाया। वह 80 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, राहुल ने 136 रन की पारी खेली। आउट होने से पहले राहुल ने कप्तान गिल के साथ भी 91 रन की साझेदारी निभाई। गिल ने पंत के साथ चौथे विकेट के लिए 100 रन जोड़े। पंत ने टेस्ट करियर का 22वां अर्धशतक लगाया। वहीं, गिल ने 10वां अर्धशतक लगाया। गिल ने 98 रन की पारी खेली। फिलहाल पंत 55 रन बनाकर और अंशुल कंबोज खाता खोले बिना क्रीज पर हैं।

नीतीश सेतु' के लोकार्पण से पहले बिहार में सियासी रार

» राजद व कांग्रेस ने भाजपा सरकार को घेरा, तेजस्वी बोले- 2016 में मैंने रखी थी छह लेन गंगा ब्रिज की नींव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क





वैशाली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों वैशाली में नीतीश सेतु के लोकार्पण से एक दिन पहले बिहार में सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस व राजद ने भाजपा पर निशाना साधा है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर बिहार संवाद के जरिए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने पुराने दस्तावेज और तस्वीरें दिखाते हुए दावा किया कि कच्ची दरगाह से बिदुपुर तक बनने वाले छह लेन के गंगा ब्रिज की शुरुआत वर्ष 2016 में उनके कार्यकाल के दौरान हुई थी। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि सरकार पुरानी योजनाओं का दोबारा उद्घाटन कर विकास कार्यों का श्रेय लेने की कोशिश कर रही है।

तेजस्वी यादव ने लाइव के दौरान बताया कि 31 जनवरी 2016 को तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कर-कमलों से इस परियोजना का कार्यारंभ हुआ था। उस समय वह खुद बिहार के उप मुख्यमंत्री थे और कार्यक्रम की अध्यक्षता उन्होंने की थी। उन्होंने अपने दावे के समर्थन में संबंधित शिलापट्ट और दस्तावेज भी दिखाए। तेजस्वी ने कहा कि इस परियोजना की नींव उनके कार्यकाल में रखी गई थी और इसे आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार पुरानी परियोजनाओं का दोबारा उद्घाटन कर उसका श्रेय लेने में लगी है। लाइव के दौरान उन्होंने पटना से राघोपुर कनेक्टिविटी परियोजना के उद्घाटन से जुड़े दस्तावेज भी दिखाए। तेजस्वी ने कहा कि जब वह उप मुख्यमंत्री और पथ निर्माण मंत्री थे, तब इस परियोजना को गति देने के लिए लगातार काम किया गया था।



पुल बिहार के लिए बेहद महत्वपूर्ण परियोजना

तेजस्वी यादव ने कहा कि कच्ची दरगाह-बिदुपुर छह लेन का गंगा पुल बिहार के लिए बेहद महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके निर्माण से पटना से वैशाली, हाजीपुर और उत्तर बिहार के कई जिलों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और दूरी भी कम होगी।

जनता को पता होना चाहिए, किसने रखी योजना की नींव

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार की जनता को यह जानने का अधिकार है कि किस परियोजना की शुरुआत कब हुई और उसकी नींव किसने रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर सिर्फ उद्घाटन और शिलान्यास की राजनीति हो रही है, जबकि कई परियोजनाओं का काम पहले ही शुरू हो चुका था।

सिख समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची : पवन खेड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को बीजेपी के नेतृत्व वाली बिहार सरकार के उस फैसले पर सवाल उठाया, जिसमें कच्ची दरगाह-बिदुपुर छह-लेन पुल का नाम सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह के बजाय जेडी(यू) नेता और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम पर रखने का निर्णय लिया गया है। एक्स पर एक पोस्ट में खेड़ा ने इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि जिस तरह से नाम बदलने की प्रक्रिया अपनाई गई है, उससे सिख समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या बीजेपी नीतीश कुमार को मुख्यधारा की राजनीति से बाहर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने पूछा, जिस पुल का नाम सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी के नाम पर रखने का फैसला किया गया था अब उसका नाम नीतीश कुमार जी के नाम पर रखने का निर्णय लिया जा रहा है। ऐसा क्यों किया जा रहा है, जिससे सिख समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचे? जो काम किसी के निधन के बाद किया जाना चाहिए, उसे उनके जीते-जी करने से यह सवाल भी उठता है कि आखिर नीतीश कुमार जी को इतनी जल्दबाजी में मुख्यधारा की राजनीति से बाहर क्यों धकेला जा रहा है? खेरा ने बिहार के सड़क निर्माण विभाग द्वारा जारी एक आधिकारिक दस्तावेज भी साझा किया, जिसमें आरजेडी नेता तेजस्वी यादव द्वारा पेश किए गए एक गैर-आधिकारिक प्रस्ताव पर की गई टिप्पणी शामिल थी। इसके अलावा तेजस्वी ने बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर पुल परियोजना का श्रेय लेने की कोशिश करने का आरोप लगाया और दावा किया कि इसके निर्माण में पार्टी का कोई योगदान नहीं है।

बंद खाते बहाल करने के लिए कंपनी को सात दिनों का अल्टीमेटम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। सोशल मीडिया दिग्गज मेटा और विपक्षी राजनीतिक दल के बीच टकराव गहरा गया है। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय पदाधिकारियों के इंस्टाग्राम अकाउंट्स रोके जाने के विरोध में शुक्रवार को पार्टी कार्यकर्ताओं ने हैदराबाद, मुंबई और गुरुग्राम स्थित मेटा के कार्यालयों पर धावा बोल दिया।

हैदराबाद के रायदुर्गम स्थित आईटी परिसर में हुए उग्र प्रदर्शन और तोड़फोड़ के बाद पुलिस ने तेलंगाना युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जक्कीदी शिव चरण रेड्डी सहित 21 कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। कंपनी द्वारा दोनों खातों को तुरंत बहाल किए जाने के बाद युवा कांग्रेस ने मेटा पर राजनीतिक पक्षपात का आरोप लगाते हुए सात दिनों का कड़ा अल्टीमेटम जारी किया है। पुलिस के अनुसार, घटना शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे की है।

मणिपुर में जहरीली शराब का कहर!

» चंदेल में 48 घंटे के भीतर 15 लोगों की दर्दनाक मौत

» 180 से ज्यादा अस्पताल में भर्ती, सीएम ने दिए जांच के आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर के चंदेल जिले में संदिग्ध रूप से मिलावटी और जहरीली शराब पीने से बड़ा हादसा सामने आया है। पिछले 48 घंटों के भीतर संदिग्ध नकली शराब के सेवन से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 180 से अधिक लोगों की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

इस गंभीर घटना के बाद राज्य सरकार और जिला प्रशासन हरकत में आ गए हैं और पूरे इलाके में हाई अलर्ट के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य परामर्श (हेल्थ एडवाइजरी) जारी कर दिया गया है। ये मौतें 18 से 20 नवंबर के बीच हुईं।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर पिकअप में पीछे से घुसी एंबुलेंस, पांच की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह रफ्तार का कहर देखने को मिला। सुबेहा थाना क्षेत्र में किमी संख्या 53.3 पर जयपुर से पश्चिम बंगाल जा रही एंबुलेंस आगे चल रही पिकअप में पीछे से घुस गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि एंबुलेंस सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हैरानी की बात यह है कि एंबुलेंस में पहले से ही एक मृत व्यक्ति का शव रखा हुआ था। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। प्रभारी एसपी विवेक तिवारी के मुताबिक, हादसा शनिवार सुबह करीब 6.30 बजे हुआ।

गोमतीनगर विस्तार गोलीकांड में पुलिस की किरकिरी

» एक आरोपी को कोर्ट से राहत, दूसरा वाराणसी में पकड़ा गया

» रिमांड खारिज होने के बाद पूर्व मंत्री के बेटे सूर्यदेव सिंह निजी मुचलके पर रिहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोमतीनगर विस्तार के ग्रीनवुड चौराहे पर हुए गोलीकांड मामले में पुलिस की कार्रवाई को न्यायालय में चुनौती मिली। पूर्व मंत्री बादशाह सिंह के बेटे कुँवर सूर्यदेव सिंह उर्फ शिवा को न्यायालय ने निजी मुचलके पर रिहा कर दिया। उनके अधिवक्ता मनोज सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष सेंट्रल बार, ने बताया कि उन्होंने न्यायालय में पुलिस की रिमांड का विरोध करते हुए प्रभावी दलीलें पेश कीं। न्यायालय ने दलीलों को सुनने के बाद रिमांड खारिज कर सूर्यदेव सिंह को निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया।

16 नवंबर को शाम करीब साढ़े पांच बजे के बीच गोमतीनगर विस्तार के ग्रीनवुड चौराहे, सेक्टर-1 पर भुगतान के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि स्कॉर्पियो सवार लोगों ने उपेंद्र प्रताप सिंह के साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की नीयत से पिस्टल से फायरिंग की। मामले में गोमतीनगर विस्तार थाने में मुकदमा संख्या 214/2026 के तहत धारा 109(1), 352, 3(5) बीएनएस और धारा 7 सीएलए एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की ओर से 19 नवंबर को जारी प्रेस नोट के मुताबिक, घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहनता से अवलोकन कर आरोपियों की पहचान की गई। विवेचना के दौरान कुँवर सूर्यदेव सिंह उर्फ शिवा का नाम सामने आया। पुलिस टीम उन्हें महोबा के थाना खरेला क्षेत्र से पूछताछ के लिए लेकर आई थी। पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 19 नवंबर को उन्हें गिरफ्तार किया था। हालांकि, न्यायालय से उन्हें रिमांड के मामले में राहत मिल गई और निजी मुचलके पर रिहाई का आदेश हुआ।



वाराणसी में दूसरे आरोपी शेखर कुशल की गिरफ्तारी

इधर, गोलीकांड से जुड़े मामले में वांछित बताए जा रहे दूसरे आरोपी शेखर कुशल को वाराणसी के बड़ा लालपुर स्थित एक फ्लैट से गिरफ्तार किए जाने की जानकारी सामने आई है। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने फ्लैट का लोहे का गेट खोलने से इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने कटिंग मशीन की मदद से गेट काटकर फ्लैट में प्रवेश किया। इस दौरान आरोपी के हाथ में चोट लग गई और काफी खून बहने लगा। उसे उपचार के लिए स्थानीय मेडिकल सेंटर ले जाया गया। बताया जा रहा है कि गिरफ्तारी की पूरी कार्रवाई आरोपी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लाइव दिखाई। अब गोमतीनगर विस्तार पुलिस वाराणसी पहुंचकर आरोपी को लखनऊ लाने की कार्रवाई करेगी। उससे पूछताछ के बाद गोलीकांड से जुड़े अन्य तथ्यों का पता लगाने का प्रयास किया जाएगा।



महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा